Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 13

No. of Printed Pages – 7

SS–21–Hindi Lit. (D & D)

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर) परीक्षा, 2017

हिन्दी साहित्य

समय : 4¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में निर्धारित शब्द–सीमा में लिखें ।

4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द, य** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – क

1) निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रति प्रश्न उत्तर–सीमा 20 से 30 शब्द)

है अनिश्चित किस जगह पर
सरित, गिरि, गह्वर मिलेंगे,
है अनिश्चित किस जगह पर
बाग बन सुन्दर मिलेंगे,
किस जगह यात्रा खत्म हो
जायगी, यह भी अनिश्चित,
है अनिश्चित, कब सुमन कब
कंटकों के शर मिलेंगे,
कौन सहसा छूट जाएँगे
मिलेंगे कौन सहसा
आ पड़े कुछ भी, रूकेगा
तू न, ऐसी आन करले,
पूर्व चलने के बटोही,
बाट की पहचान करले।

अ) दिए गए काव्यांश का एक उचित शीर्षक लिखिए। **[1]**

ब) 'गिरि' शब्द का अर्थ लिखिए। **[1]**

स) 'कंटकों के शर' का आशय स्पष्ट कीजिए। **[2]**

द) कवि कौनसी प्रतिज्ञा करने की प्रेरणा दे रहा है? **[2]**

य) कवि ने राह की कौन–कौनसी अनिश्चितताओं का उल्लेख किया है? **[2]**

2) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर–सीमा 20 से 30 शब्द)

श्रमिकों की कार्यक्षमता पर भौतिक, मानसिक, मनोवैज्ञानिक एवं संगठनात्मक बातों का प्रभाव पड़ता है। भौतिक तत्वों में श्रमिक का जीवन–स्तर प्रमुख है। यदि श्रमिकों को पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक भोजन नियमित रूप से प्राप्त होता रहे तो निश्चय ही उनका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। यही नहीं, उनके निवास हेतु स्वच्छ व हवादार मकान तथा पीने के लिए स्वच्छ जल की व्यवस्था भी होनी चाहिए। नीरोग रहने पर ही श्रमिकों की कार्यक्षमता को बढ़ाना संभव है। दुर्भाग्य से आज अधिकांश अल्प–विकसित देशों में ये सब सुविधाएँ अधिकांश श्रमिकों को नहीं मिल पाती। अल्प विकसित देशों में न केवल अधिकांश व्यक्तियों को आवश्यकता से कम भोजन मिल पाता है, अपितु इस भोजन में दूध, फल, सब्जी या इस प्रकार के पौष्टिक तत्वों का नितान्त अभाव भी है। परिणामस्वरूप श्रमिकों की कार्यक्षमता निरन्तर घटती रहती है।

अ) दिए गए गद्यांश का एक उचित शीर्षक लिखिए। **[1]**

ब) 'श्रमिक' शब्द में कौनसा प्रत्यय है? **[1]**

स) श्रमिकों की कार्यक्षमता पर भौतिक तत्वों के प्रभाव का उल्लेख कीजिए। **[2]**

द) अल्प–विकसित देशों के श्रमिकों व कृषकों की स्थिति का पठितांश के आधार पर वर्णन कीजिए। **[2]**

य) श्रमिकों को किस प्रकार के भोजन की आवश्यकता होती है? **[2]**

खण्ड – ख

3) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबन्ध लिखिए : **[8]**

अ) रंगों का त्यौहार – होली

ब) शिक्षा : हर बच्चे का अधिकार

स) स्वच्छ पर्यावरण – स्वस्थ समाज

द) राजस्थान की लोक संस्कृति

य) मोबाइल–वरदान या अभिशाप

4) 'अभिव्यक्ति और माध्यम' के आधार पर निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द)

अ) 'लाइव' का क्या अर्थ है? [2]

ब) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं? [2]

स) कविता रचना के लिए किन तत्वों का ध्यान रखना चाहिए? [2]

द) कहानी के तत्व लिखिए। [2]

5) अभिव्यक्ति और माध्यम के आधार पर लिखें–

आज आपने घर से स्कूल तक के सफ़र में क्या–क्या देखा और अनुभव किया? एक उचित शीर्षक भी दें।
(उत्तर सीमा 60 से 80 शब्द) [4]

खण्ड – ग

6) निम्नांकित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– [2 + 4 + 1 = 7]

(उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द)

मैं ने देखा

एक बूँद सहसा

उछली सागर के झाग से;

रंग गई क्षणभर

ढलते सूरज की आग से।

मुझ को दीख गया;

सूने विराट् के सम्मुख

हर आलोक–छुआ अपनापन

है अन्मोचन

नश्वरता के दाग से?

अथवा

लागेउ माँह परै अब पाला। बिरहा काल भएउ जड़काला।।
पहल पहल तन रुई जो झाँपै। हहलि हहलि अधिकौ हिय काँपै।।
आई सूर होइ तपु रे नाहाँ। तेहि बिनु जाड़ न छूटै माहाँ।।
एहि मास उपजैं रस भूलू। तूँ सो भँवर मोर जोबन फूलू।।
नैन चुवहिं जस माँहुट नीरू। तेहि जल अंग लाग सर चीरू।।
टूटहिं बुंद परहिं जस ओला। विरह पवन होइ मारैं झोला।।
केहिक सिंगार को पहिर पटोरा। गियँ नहीं हार रही होइ डोरा।।
तुम्ह बिनु कंता धनि हरूई, तन तिनुवर भा डोल।
तेहि पर बिरह जराइ कै, चहै उड़ावा झोल।।

7) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दो में दीजिए :–

अ) निम्नांकित पंक्तियों का भाव सौन्दर्य लिखिए :– [2]

गीत गाने दो मुझे तो,
वेदना को रोकने को।
चोट खाकर राह चलते।
होश के भी होश छूटे,
हाथ जो पाथेय थे, ठग
ठाकुरों ने रात लूटे,
कंठ रुकता जा रहा है,
आ रहा है काल देखो।

ब) निम्नांकित पंक्तियों का कला (शिल्प) सौन्दर्य लिखिए । (उत्तर–सीमा 30 से 40 शब्द) [2]

किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्ध्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर
अपनी दूसरी टाँग से
बिलकुल बेखबर?

8) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में दीज़िए :–

अ) ''बरसाती आँखों के बादल–बनते जहाँ भरे करूणा जल।''– पंक्ति में कार्नेलिया ने भारतीयों की किस विशेषता को प्रकट किया हैं? स्पष्ट कीजिए। [2]

ब) विष्णु खरे की कविता 'एक कम' का केन्द्रीय भाव लिखिए। [2]

खण्ड – घ

9) निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– [2 + 4 + 1 = 7]

(उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द)

मैं कहीं जाता हूँ तो छुँछे हाथ नहीं लौटता। यहाँ कोई विशेष महत्त्व की चीज़ तो नहीं मिली पर गाँव के भीतर कुछ बढ़िया मृण्मूर्तियाँ, सिक्के और मनके मिल गए। इक्के पर कौशाम्बी लौटा। एक दूसरे रास्ते से। एक छोटे से गाँव के निकट पत्थरों के ढेर के बीच, पेड़ के नीचे, एक चतुर्मुख शिव की मूर्ति देखी। वह वैसे ही पेड़ के सहारे रखी थी जैसे उठाने के लिए मुझे ललचा रही हो। अब आप ही बताइए, मैं करता ही क्या? यदि चांद्रायण व्रत करती हुई बिल्ली के सामने एक चूहा स्वयं आ जाए तो बेचारी को अपना कर्त्तव्य पालन करना ही पड़ता है।

अथवा

यूरोप में पर्यावरण का प्रश्न मनुष्य और भूगोल के बीच संतुलन बनाए रखने का है– भारत में यही प्रश्न मनुष्य और उसकी संस्कृति के बीच पारंपरिक संबंध बनाए रखने का हो जाता है। स्वातंत्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजेडी यह नहीं है कि शासक वर्ग ने औद्योगीकरण का मार्ग चुना, ट्रेजेडी यह रही है कि पश्चिम की देखादेखी और नकल में योजनाएँ बनाते समय–प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच का नाजुक संतुलन किस तरह नष्ट होने से बचाया जा सकता है– इस ओर हमारे पश्चिम–शिक्षित सत्ताधारियों का ध्यान कभी नहीं गया।

10) निम्नांकित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (उत्तर–सीमा लगभग 40 शब्द)

अ) 'कुटज' पाठ के आधार पर सिद्ध किजिए कि ''दु:ख और सुख तो मन के विकल्प हैं।'' [2]

ब) 'दूसरा देवदास' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। [2]

स) ''असगर वजाहत की लघुकथा 'चार हाथ' पूँजी वादी व्यवस्था में मजदूरों के शोषण को उजागर करती है।'' इस कथन की व्याख्या वर्तमान स्थितियों में कीजिए। [2]

11) कवि केशवदास या साहित्यकार रामविलास शर्मा में से किसी एक का साहित्यिक परिचय लगभग 60 शब्दों में लिखिए। **[4]**

खण्ड – ङ

12) निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए :– (उत्तर–सीमा 40 शब्द)

अ) ''सूरदास की झोंपड़ी में लगी आग दलित व शोषित जन के सपनों में लगी आग है।'' कैसे? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

ब) ''उन्होंने उस दिन से जो हाथ छोड़ा कि फिर नहीं पकड़ा।''–रूपसिंह द्वारा यह कथन किसके लिए किया गया और इससे रूपसिंह के क्या मनोभाव प्रतीत होते हैं? 'आरोहण' पाठ के आधार पर समझाइए। **[½ + 1½ = 2]**

स) बिस्कोहर में हुई बरसात का जो वर्णन बिसनाथ ने किया है उसे अपने शब्दों में लिखिए। **[2]**

द) धरती का वातावरण गरम क्यों हो रहा है? इसमें यूरोप और अमेरिका की क्या भूमिका है? टिप्पणी कीजिए। **[1 + 1 = 2]**

य) 'चूल्हा ठंडा किया होता, तो दुश्मनों का कलेजा कैसे ठंडा होता?' नायकराम के इस कथन के भाव को 'सूरदास की झोंपड़ी' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[2]**

13) पर्वतारोहण पर्वतीय प्रदेशों की दिनचर्या है, वही दिनचर्या आज जीविका का माध्यम बन गई है। इससे उत्पन्न स्थितियों के गुण व दोषों का मौलिक विश्लेषण कीजिए। (उत्तर–सीमा 60 शब्द) **[6]**

● ● ●

DO NOT WRITE ANYTHING HERE